

पहला कॉलम

370 रुपये की बिरयानी’ विवाद में प्रणीत मोरे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

नई दिल्ली। स्टैंड-अप हास्य कलाकार प्रणीत मोरे ने ‘370 रुपये की बिरयानी’ विवाद से जुड़े मामले में अपने खिलाफ महाराष्ट्र और हरियाणा में दर्ज प्राथमिकी को एक साथ जोड़ने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उनकी याचिका पर केंद्र सरकार के साथ महाराष्ट्र और हरियाणा सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। मामले की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की। मोरे की ओर से पेश वकील ने पीठ से कहा कि महाराष्ट्र और गुरुग्राम में दर्ज प्राथमिकी एक ही घटनाक्रम से जुड़ी हैं, इसलिए दोनों मामलों को एक साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोरे मुकदमे का सामना करने के लिए तैयार हैं और उनकी मांग केवल अलग-अलग स्थानों पर चल रही आपराधिक कार्यवाही को एक साथ करने की है। वकील ने अदालत को बताया कि मोरे ने राष्ट्रीय महिला आयोग सहित विभिन्न मंचों पर माफ़ी मांगी है। उन्होंने यह भी कहा कि विवाचित वीडियो की जानकारी मिलने के बाद उसे प्राथमिकी दर्ज होने से पहले ही हटा दिया गया था।

अज्ञात वाहन ने सब्जी विक्रेता को रौंदा, मौत

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र में रविवार रात सड़क हादसे में करीब 60 वर्षीय सब्जी विक्रेता की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हंडिया थाना क्षेत्र के बरौत पुलिस चौकी के पास नेशनल हाईवे पर रसाय गांव के सामने तेज रफ़्तार अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार राम सजीवन उर्फ साधु बिंद को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत के बाद ही मौत हो गई। राम सजीवन उर्फ साधु बिंद, मंगरु बिंद के बेटे थे और हंडिया क्षेत्र के ही रहने वाले थे। वह रविवार को बरौत कस्बे में सब्जी बेचने गए थे। रात में साइकिल से घर लौट रहे थे। रसाय गांव के सामने नेशनल हाईवे पर पहुंचते ही एक अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राम सजीवन सड़क पर गिर गए। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौत के बाद ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

तेंदुए ने किया हमला तो 10 साल के बच्चे ने दबा दिया उसका गला

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में तेंदुए के जानलेवा हमले के दौरान 10 साल के एक मासूम द्वारा दिखाई गई असाधारण जांबाजी की हर तरफ सराहना हो रही है। घात लगाकर बैठे तेंदुए ने जब बच्चे पर झपट्टा मारा, तो मासूम घबराने के बजाय अपनी जान बचाने के लिए आदमखोर से भिड़ गया और दोनों हाथों से उसका गला जकड़ लिया। हमले में बच्चे के मुँह और पेट पर गंभीर घाव आए हैं, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। यह सनसनीखेज घटना शनिवार शाम करीब सवा सात बजे बिजयपुर रतनपुर चकलुवा इलाके में घटी।

एशियन गेम्स 2026: स्वर्ण पदक का खाता खुला

भारतीय बेटियों ने क्रिकेट में जीता लगातार दूसरा गोल्ड पदक-श्रीलंका टीम को रौंदा....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत का स्वर्ण पदक का खाता खुल गया है। भारत की बेटियों ने क्रिकेट में स्वर्ण पदक दिलाया। श्रीलंका के खिलाफ फ़इनल में टीम इंडिया ने 147 रन से विशाल जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। 217 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। पूरी टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने मुकाबला 147 रन से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर श्रीलंका की पारी को संभलने का मौका नहीं दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता है। भारत ने इससे पहले 2023 हांगझोड एशियन गेम्स में भी महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक जीता था। इस बार भी टीम ने अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया। भारत के एशियन गेम्स 2026 में कुल पदकों की संख्या सात हो गई है और टीम पदक तालिका में आठवें स्थान पर पहुंच गई है। स्मृति मंथान ने शानदार 79 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।



उनके साथ शेफ़ली वर्मा ने भी अहम योगदान दिया और 48 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय पारी को शुरुआती ओवरों में मजबूती दी और श्रीलंका के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। इसके बाद भारत ने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बटोरे। भारत की पारी के आखिरी हिस्से में ऋचा घोष ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 49 रन ठोककर टीम को 200 के पार पहुंचाया। भारत ने 20 ओवर में 216 रन बनाए और श्रीलंका के सामने 217 रन का लक्ष्य रखा। इस तरह भारत ने फ़इनल में श्रीलंका के सामने बड़ा लक्ष्य खड़ा किया। इस जीत के साथ भारत ने श्रीलंका के खिलाफ टी20

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार आठवीं जीत दर्ज की। यह भारत की महिला टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे लंबी लगातार जीत की लय है। इससे पहले भारत ने 2018 में लगातार सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीते थे। श्रीलंका ने भारत को आखिरी बार 2024 महिला एशिया कप के फ़इनल में हराया था। इसके बाद दोनों टीमों के बीच हुए आठों टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत ने जीत दर्ज की। यानी 2024 एशिया कप फ़इनल में मिली हार के बाद भारत ने श्रीलंका को लगातार आठ मैचों में शिकस्त दी है। 2026 एशिया कप फ़इनल में भी भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराया था।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला टीम का गोल्ड पर कब्जा, प्रधानमंत्री मोदी ने बेटियों को दी बधाई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीत लिया है। भारतीय टीम ने

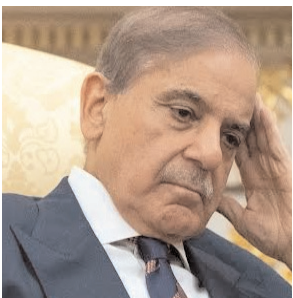


को स्वर्णिम सफलता पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से की गई पोस्ट में कहा गया कि इंडियन क्रिकेट के लिए शानदार जीत। एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर हमारी महिला क्रिकेट टीम को बहुत-बहुत बधाई। यह खेलों में एक जबरदस्त प्रदर्शन था, जिसमें आत्मविश्वास, स्किल और शानदार टीमवर्क दिखा। इस जीत से भारत को इस संस्करण का पहला स्वर्ण पदक भी मिला है। टीम ने देश को गर्व महसूस कराया है और यह देश भर के अनगिनत युवा क्रिकेटर्स को प्रेरित करेगी। मैच की बात करें, तो भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था।

चोर आया, चोर आया

पाक पीएम शहबाज पहुंचे अमेरिका तो पोस्टर से पट गई सड़के.....

नई दिल्ली/ एजेंसी



पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेने न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं। उनके पहुंचने के साथ ही ‘अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती’ शुरु हो गई। जब वे हवाई अड्डे पर उतरे तो न रेड कार्पेट बिछा था और न कोई बड़ा अमेरिकी अधिकारी उनका स्वागत करने आया था। साफ है कि पाकिस्तानी पीएम को अमेरिका में पूछने वाला भी कोई नहीं था। इसके अलावा न्यूयॉर्क के सड़कों पर ‘चोर आया’ और ‘चेरी पॉलिश’ वाले पोस्टर ने रहा-सहा कसर भी पूरा कर दिया। बता दें कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ पहले कह चुके हैं कि अमेरिका पाकिस्तान को टॉयलेट पेपर की तरह इस्तेमाल करता है। यानी जरूरत पड़ने पर काम लेता है, फिर फेंक देता है। शहबाज शरीफ के इस दौर को देखकर वही बात याद आ रही है। पहले कहा जा रहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान को ख़ास महत्व देंगे, लेकिन न्यूयॉर्क में जो नजारा दिखा, उससे साफ है कि पाकिस्तान टॉयलेट पेपर ही है, यूज़ करो और फेंक दो। एयरपोर्ट की बेइज्जती के बाद सड़कों पर भी

विरोध देखने को मिला। न्यूयॉर्क के पेन स्टेशन के बाहर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों ने पोस्टर्स से पाट दिए थे। इन पोस्टर्स में शहबाज शरीफ को ‘चोर’ और ‘चेरी पॉलिश’ कहा गया है। इसमें साफ-साफ लिखा गया है कि चोरों की सरकार नार्मजूर है। उनका आरोप है कि यह सरकार फर्जी जनादेश से बनी है, जिसे ‘फ़ॉर्म 47’ सरकार कहा जा रहा है। पोस्टर्स पर महंगे विमान की तस्वीर भी छपी गई है। इस साल फ़रवरी में पंजाब मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ के लिए करीब 12 अरब पाकिस्तानी रुपये का आलीशान विमान खरीदा गया था। विरोधियों का कहना है कि देश की राष्ट्रीय एयरलाइन पीआईए की बोली महज 10 अरब रुपये के आसपास लग रही है। फिर भी हुक्मरान जनता के पैसे से 12 अरब का निजी जेट उड़ा रहे हैं।

रोहिणी जेल में विचाराधीन कैदी की धारदार हथियार से हत्या

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की अति सुरक्षित मानी जाने वाली रोहिणी जेल में दोपहर एक विचाराधीन कैदी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। जेल परिसर में हुई इस वारदात के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वारदात में शामिल आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। शस्त्र अधिनियम के तहत रोहिणी जेल में बंद कैदी प्रदीप उर्फ मोहिंदर पर किसी धारदार हथियार से हमला किया गया।



कोयंबटूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

ट्रंप की ईरान को धमकी

संयुक्त राष्ट्र में बोले-डील करो,वरना.....परमाणु हथियार पर दो टूक-ईरान की पूरी आर्थिक नाकेबंदी की अपील

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान समेत कई मुद्दों पर अमेरिका का रुख सामने रखा। उन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था, सेना और तकनीक की मजबूती का जिक्र किया और अपनी सरकार के कामकाज को भी सामने रखा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब पहले से ज्यादा मजबूत है। उन्होंने पिछली सरकार के दौर को अमेरिका के लिए मुश्किल समय बताया और

कहा कि उनकी सरकार ने देश को एक नए दौर में पहुंचाया है। ट्रंप ने अपने भाषण में ईरान पर ख़ास तौर पर बात की। उन्होंने ईरान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और कहा कि वह ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। ट्रंप ने कहा कि सत्ता में आने के बाद से ही उनका रुख साफ़ रहा है कि ईरान के पास कभी ईरान के सामने ऐसा समझौता करने का रास्ता है, जिससे वह आगे बढ़ सके, लेकिन इसके साथ उन्होंने



भविष्य में समझौते की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि ईरान के सामने ऐसा समझौता करने का रास्ता है, जिससे वह आगे बढ़ सके, लेकिन इसके साथ उन्होंने

कड़ी कार्रवाई की संभावना भी रखी। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के मामले में अमेरिकी मध्यवर्धि चुनाव उनके फैसले को प्रभावित नहीं करेंगे। उनके मुताबिक, उनके लिए सबसे अहम बात यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार न हों। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से दूसरे देशों से ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की अपील की। उन्होंने ईरान के खिलाफ पूरी आर्थिक नाकेबंदी की बात कही और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसके लिए साथ आने को कहा।

निर्वाचन आयोग ने तारीख का किया ऐलान

चार राज्यों में विधान परिषद का चुनाव 23 अक्टूबर को...

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग ने देश के चार राज्य- उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार ये सीटें शिक्षक और स्नातक कोटे की हैं। इन सीटों पर 23 अक्टूबर को मतदान और 27 अक्टूबर को काउंटिंग कराई जाएगी। इसके साथ ही सभी निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। चुनाव आयोग की ओर से जारी



बयान के मुताबिक बिहार में विधान परिषद की आठ सीटें 16 नवंबर को खाली हो रही हैं। वहीं कर्नाटक की चार सीटें 11 नवंबर, महाराष्ट्र की 5 सीटें छह दिसंबर को और उत्तर प्रदेश की 11 सीटें छह दिसंबर को रिक्त हो रही हैं।

वायरल वीडियो विवाद पहुंचा कोर्ट

अजय ने श्रीनेत और नेहा के खिलाफ किया मानहानि का दावा

धमतरी। संवाददाता

वायरल वीडियो को लेकर चल रहा सियासी विवाद अब अदालत तक पहुंच गया है। पूर्व मंत्री और कुरुद विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और लोकगणिका व सोशल मीडिया इम्प्लुएंसर नेहा सिंह राठौर के खिलाफ जिला सत्र न्यायालय में याचिका दायर की है। मामला

स्वतंत्रता दिवस के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो से जुड़ा है। चंद्राकर का आरोप है कि भाजपा के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बनाया गया पुराना वीडियो स्वतंत्रता दिवस पर बताकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। उनका कहना है कि इस तरह वीडियो प्रसारित किए जाने से उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसी आधार पर

उन्होंने दोनों के खिलाफ मानहानि का दावा पेश किया है। वायरल वीडियो मामले में धमतरी पुलिस ने अलग कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार कुरुद स्थित भाजपा कार्यालय में 22 मार्च 2026 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भाजपा का झंडा फहराए जाने का वीडियो बनाया गया था। आरोप है कि बाद में इसी मूल वीडियो को डाउनलोड



कर एडिट किया गया और उसे स्वतंत्रता दिवस से जोड़कर सोशल

मीडिया पर प्रसारित किया गया। पुलिस ने भुनेश्वर निराला (25) और राकेश निराला (35) को 18 अगस्त को गिरफ्तार किया। दोनों सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम जिल्दी के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पृच्छाछले के बाद दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। पुलिस का दावा है कि वीडियो एडिट करने और सोशल मीडिया पर अपलोड करने से जुड़े

डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। स्वतंत्रता दिवस के दौरान सोशल मीडिया पर अजय चंद्राकर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे भाजपा का झंडा फहराते नजर आ रहे थे। वीडियो को इस दावे के साथ उन्होंने तिरंगे की जगह भाजपा का झंडा फहराया। बाद की पड़ताल में पुलिस के अनुसार यह वीडियो 15 अगस्त 2026 का नहीं, बल्कि पहले के भाजपा प्रशिक्षण कार्यक्रम का था।

विधायक भावना बोहरा ने 4.12 करोड़ के बहुप्रतीक्षित दामापुर से करपी तक सड़क एवं नवीन विश्राम गृह निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

कवर्धा जनता के गोठा पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण अंचलों में विकास को गति देने और क्षेत्रवासियों को सुगम आवागमन की सुविधा के लिए निरंतर प्रयासरत विधायक भावना बोहरा के द्वारा एक और बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। आज ग्राम करपीकला में विधायक भावना बोहरा ने 2 करोड़ 75 लाख 41 हजार रुपए की लागत से बहुप्रतीक्षित दामापुर-बरेजहा-भरेवापारा-करपी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया और क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इस महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण से ग्राम दामापुर, बरेजहा, भरेवापारा एवं करपी सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन की

सुविधा मिलेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार और दैनिक आवश्यकताओं से जुड़े कार्यों के लिए आने-जाने में समय और परेशानी दोनों कम होंगे। इसके साथ ही विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया में 1 करोड़ 37 लाख 54 हजार रुपए की लागत से बनने वाले नवीन विश्राम गृह का भी भूमिपूजन किया। पंडरिया में नवीन विश्राम गृह का निर्माण क्षेत्र में आने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं अन्य आगंतुकों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रकार भावना बोहरा ने कुल 4 करोड़ 12 लाख 95 हजार रुपए की लागत से होने वाले सड़क व अधोसंरचना निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर

क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विकास में सड़क और अधोसंरचना से जुड़े कार्य हमारी प्राथमिकताओं में हैं। गांवों के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। साथ ही पंडरिया में नवीन विश्राम गृह का निर्माण क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा संकल्प है कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक बेहतर सड़क, मजबूत अधोसंरचना



और आवश्यक सुविधाएं पहुंचें। विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे क्षेत्र के लोगों के जीवन को आसान बनाने और गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम हैं। पंडरिया विधानसभा में

जनआवश्यकताओं के अनुरूप लगातार विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में भाजपा की डबल इंजन सरकार बनने के बाद से पंडरिया विधानसभा के नगर से लेकर गांव और वनांचल

क्षेत्रों में निरंतर विकास कार्य अपना आकार ले रहे हैं जनता की बहुप्रतीक्षित मांगें पूरी हो रही हैं और सड़कों का जाल बिछ रहा है जिससे हर व्यक्ति एवं वर्ग लाभान्वित हो रहा है। विकास कार्यों के साथ-साथ जनकल्याण के लिए संचालित योजनाओं का भी लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। महतारी वंदन योजना, किसान सम्मान निधि, पीएम आवास, आयुष्मान भारत, पीएम जनमन योजना, लखपति दीदी, डिजिटल और स्टार्टअप इण्डिया अभियान, शौचालय, भूमिहीन किसानों को आर्थिक सहायता, 3100 रुपए प्रति क्प्रिंटल में धान खरीदी, तेंदू पत्ता संग्रहकों को प्रोत्साहन जैसे योजनाओं ने आज किसान, महिला, व्यापारी,

युवा हर वर्ग के जीवन को सुगम, स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बना रही है। आज गाँव-गाँव तक विकास की रोशनी पहुँच रही है, वनांचल के क्षेत्रों में कबी अँधेरा था आज वहां बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है, स्वच्छ पेयजल तथा सड़क सुविधा से बारहमासी कनेक्टिविटी वनांचल क्षेत्रों को नई दिशा व उम्मीद दे रही है। इस सौगात के लिए विधायक भावना बोहरा ने माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डबल इंजन भाजपा सरकार बनने के बाद से पंडरिया विधानसभा के विकास एवं अधोसंरचना निर्माण को एक नई गति मिली है। 1000 करोड़ से अधिक के विकास व अधोसंरचना

निर्माण कार्य, 300 करोड़ से अधिक की सिंचाई व जल आवर्धन परियोजनाएं, 500 करोड़ से अधिक के सड़क निर्माण, 35000 से अधिक प्रधानमंत्री आवास, 1 लाख 25 हजार से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत आर्थिक सहायता, प्रमुख सड़कों का उन्नयन एवं चौड़ीकरण, 250 सीटर नालंदा परिसर, मिनी स्टेडियम, व्यावसायिक परिसर, विधानसभा को आदर्श शहर समृद्धि योजना में शामिल करना जैसे अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। हमारा प्रयास है कि जनहित और क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों और मूलभूत सुविधाओं का निरन्तर विस्तार होता रहे और हमारा पंडरिया विधानसभा समृद्ध व विकसित बने।

मवेशी तस्करी मामले में 12वां आरोपी गिरफ्तार

बलंगी पुलिस ने सिंगरोली से दबोचा फ्फार आरोपी, 11 आरोपी पहले ही जा चुके जेल



बलरामपुर (जनता के गोठ) : मवेशी तस्करी के मामले में फ्फार चल रहे 12वें आरोपी को बलंगी पुलिस ने मध्यप्रदेश के सिंगरोली जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मो. मुमताज उर्फ बब्बू (36), निवासी हर्षा बिरती, जिला सिंगरोली को 22 सितंबर को उसके ठिकाने पर दबिश देकर पकड़ा गया। मामला अपराध क्रमांक 26/2026 का है। पुलिस के मुताबिक 19

माच को मुखाबिर से सूचना मिली थी कि सात पिकअप वाहनों में मवेशियों को कथित रूप से कूररतापूर्वक भरकर ले जाया जा रहा है। बलंगी चौकी के सामने घेराबंदी के दौरान पुलिस ने दो पिकअप वाहन पकड़े, जबकि चालक मौके से फ्फार हो गए। दोनों वाहनों में सात-सात बैस/बैसी मिलने की बात पुलिस ने बताई है। विवेचना के दौरान पुलिस ने मामले

में अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। फ्फार आरोपियों की तलाश में गठित टीम सिंगरोली पहुंची, जहां दबिश देकर मुमताज उर्फ बब्बू को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने घटना में अपने पिकअप वाहन रक़्ख 66व 2557 के इस्तेमाल की जानकारी दी। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

अब बारिश के भरोसे रहने की मजबूरी खत्म

मनरेगा के कुएँ से नियमित सिंचाई कर लहलहा उठे तोकापाल के पाकलू पोयाम के खेत

बकावंड जनता के गोठ, 22 सितम्बर 2026/ बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बुरूंगपाल के किसान पाकलू पोयाम के लिए अब मानसूनी बारिश के भरोसे रहने की मजबूरी पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत अपने ही खेत में कुओं तैयार हो जाने के बाद वे अब नियमित सिंचाई की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, जिससे उनकी बंजर होती उम्मीदों को हरा-भरा जीवन मिल



गया है। पहले सिंचाई का कोई स्थायी माध्यम न होने के कारण पाकलू पिता पंडरू पोयाम की खेती पूरी तरह अनिश्चित मानसूनी बारिश पर टिकी हुई थी। बारिश में देरी या कम वर्षा के कारण फसलें सूख जाती थीं और परिवार को गंभीर आर्थिक तंगी

का सामना करना पड़ता था। इस संकट को खत्म करने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के माध्यम से ग्राम पंचायत बुरूंगपाल द्वारा दो लाख 93 हजार रुपए की लागत से निजी कृष निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया। तकनीकी सहायक सामाजिक



अंकेक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में 19 फरवरी 2026 से शुरू होकर यह कुआँ लगभग दो लाख 60 हजार रुपए के व्यय से 10 सितम्बर 2026 को पूरी तरह तैयार हो गया। इस दौरान स्थानीय स्तर पर 600 मानव दिवस का रोजगार भी सृजित हुआ, जिससे 267 रुपए प्रति दिवस की दर से परिवार को निर्माण के दौरान ही नकद मजदूरी मिली।

कुआँ पानी से लबालब भरते ही पाकलू के खेतों की तस्वीर बदल गई है। नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित होते ही उन्होंने धान के साथ-साथ मौसमी हरी सब्जियों और मकई की भरपूर खेती शुरू कर दी है। अतिरिक्त उपज को बाजार में बेचकर वे बेहतर मुनाफा कमा रहे हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा और पारिवारिक जरूरतें बिना किसी रुकावट के पूरी हो रही हैं। पाकलू पोयाम का कहना है कि नियमित सिंचाई की सुविधा मिलने से उनकी खेती और आजीविका दोनों सुरक्षित हो चुकी हैं। मनरेगा और जल संचयन के इस सफ़्त समन्वय ने न केवल एक किसान को बारिश की मोहताजी से मुक्त कराया है, बल्कि पूरे गाँव के लिए प्रेरणास्रोत भी बना दिया है।

धान के खेत की सिंचाई के लिए लगाए मोटर पंप चोरी, बेचने पहुंचे तो खुल गया राज

चलगली पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा, चोरी के दोनों मोटर पंप बरामद

बलरामपुर (जनता के गोठ) : धान की फसल में पानी देने के लिए तालाब में लगाए गए दो मोटर पंप चोरी कर उन्हें बेचने पहुंचे दो आरोपियों को चलगली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के दोनों मोटर पंप बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार ग्राम डोंगरो निवासी अर्जुन ने शिकायत दर्ज कराई कि उसने तालाब में धान की फसल की सिंचाई के लिए 2 एचपी का सिल्वर कंपनी का मोटर पंप लगाया था। उसके भाई चन्द्रशेखर सिंह ने भी वहां की सीआरआई मोनोब्लॉक कंपनी का 2 एचपी इलेक्ट्रिक पंप लगाया था। दोनों पंप 16 सितंबर की रात चोरी हो गए। **मोटर मिस्त्री की सूचना से खुला मामला** चोरी के बाद अर्जुन ने



आसपास तलाश की और चलगली के मोटर मिस्त्रियों को भी सूचना देकर कहा कि यदि कोई व्यक्ति मोटर पंप बेचने आए तो तत्काल जानकारी दें। इसी बीच 21 सितंबर को मोटर मिस्त्री दयाराम ने फोन कर बताया कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पर दो मोटर पंप लेकर बेचने पहुंचे हैं। सूचना पर अर्जुन मौके पर पहुंचा और पंपों को देखकर पहचान लिया कि दोनों उसी के और उसके भाई के हैं। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। **दो आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजे गए** प्राथ्ी की रिपोर्ट पर थाना

चलगली में अपराध क्रमांक 56/2026, धारा 303(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच में दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध से जुड़े साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने 22 सितंबर को दोनों को विधिवत गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस की कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार चंदन सिंह, सजिन. सुखेन सिंह, प्रधान आरक्षक देवकुमार कुजूर, आरक्षक देवसाय राजवाड़े एवं चालक आरक्षक राधे सिंह का योगदान रहा।

लोधी में गुंजा करमा का रंग, मांदर की थाप पर झूम उठा आदिवासी समाज

सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले भव्य करमा महोत्सव, संस्कृति और सामाजिक एकता का दिया संदेश

बलरामपुर (जनता के गोठ) : वाइफ्फगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत लोधी में सर्व आदिवासी समाज के बैनर तले करमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। करमा पर्व के रंग में रंगे आयोजन स्थल पर पारंपरिक गीत-संगीत और मांदर की थाप के बीच सैकड़ों ग्रामीणों ने उत्साह के साथ सहभागिता निभाई। पारंपरिक करमा नृत्य ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया।

करमा महोत्सव में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, लोककला और सामाजिक एकजुटता की झलक देखने को मिली। महिला, पुरुष और युवाओं ने पारंपरिक अंदाज में करमा नृत्य प्रस्तुत किया। मांदर की थाप और करमा गीतों के साथ पूरा माहौल उत्सवमय नजर आया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अम्बिका प्रसाद संडिल्य, संरक्षक खोसीगढ़ गोंड कर्मचारी कल्याण संच रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में देवसाय मरावी पूर्व मंत्री, सुखनाथ मरावी ब्लॉक अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज, शिव कुमार आयाम अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गोंड कर्मचारी संच,



अधिवक्ता धनसिंह, विहारी खैरवार, उदय राज सिंह तहसीलदार रघुनाथनगर, हरिनारायण सिंह आयाम सरपंच, देवनारायण मरावी, राजकुमार पोतें, जयश्री पुशाम, रामदेव जगत प्रदेश महासचिव काग्रेस, चन्द्रदीप कोर्चों संभागीय महासचिव गोंगपा सरगुजा, सुबचन सिंह, जानसाय नेताम कोषाध्यक्ष, राजू मरकाम, पी.के. लकड़ा एवं बुधनी सिंह आयाम सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

परंपरा बचाने का संदेश कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने आदिवासी समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि करमा जैसे पारंपरिक पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को अपनी जड़ों और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ने का माध्यम है। नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना सामूहिक जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने सामाजिक एकता,

भाईचारे, शिक्षा और समाज के विकास के लिए मिलकर काम करने की बात कही। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों ने भी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने और सामाजिक एकजुटता बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मांदर की थाप पर देर तक चला नृत्य

करमा महोत्सव के दौरान मांदर की थाप और पारंपरिक गीतों ने लोगों को आकर्षित किया। ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ करमा नृत्य में

हिस्सा लिया। बच्चों और युवाओं में भी खासा उत्साह दिखाई दिया। आयोजन में सैकड़ों ग्रामीणों और समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। लोधी में आयोजित करमा महोत्सव ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान उसकी परंपराओं में जीवित है और सामूहिक आयोजनों के जरिए इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सकता है

संपादकीय

इलाज के खर्च में पारदर्शिता जरूरी

किसी अस्पताल में उपचाराधीन कोई मरीज जब किसी रोग से लड़ रहा होता है तो वह इस स्थिति में नहीं होता कि उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों व दवा आदि के तार्किक मूल्यों की पड़ताल कर सके। वह यह पूछने की स्थिति में भी नहीं होता कि किसी दवा, सिरिज या कैथेटर आदि की कीमत जायज है या नाजायज। वैसे भी अस्पताल संचालकों द्वारा संचालित किए जा रहे मेडिकल स्टोरों में वह कीमत को लेकर अपना पक्ष रखने की हालत में नहीं होता। यह विडंबना ही है कि दवा कर्पनियों बिचौलियों व मेडिकल स्टोर के मालिकों को लुभाने के लिए दवा की वास्तविक लागत कीमत व कथित एमआरपी में बड़ा फर्क रखती हैं, जिसके चलते दवा विक्रेता मरीजों के तीमारदारों से मनमानी कीमतें वसूल कर मुनाफा कूटते हैं। जिसकी पुष्टि महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा अस्पतालों में उपयोग किए जाने वाले सामान की कीमतों की राज्यव्यापी पड़ताल के निष्कर्ष करते हैं। फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन महाराष्ट्र के तेजतर्रार कमिश्नर तुकाराम मुंडे की पहल पर किए गये राज्यव्यापी सर्वेक्षण में पाया गया कि एक अस्पताल द्वारा खरीदे गए एक आईवी एम्प्यूजन सेट की कीमत मात्र 11 रुपये थी और उस पर एमआरपी 325 दर्ज थी, जो वास्तविक कीमत से हजारों फीसदी अधिक थी। एक सिरिज जिसकी खरीद कीमत 6.7 रुपये थी, उसकी एमआरपी 57 रुपये थी। जबकि 29 रुपये में खरीदा गया कैथेटर 310 रुपये एमआरपी वाला था। निस्संदेह, सलाई चैन में भी कुछ खर्च होते हैं, लेकिन अस्पताल व उनके मेडिकल स्टोर इन दवाइयों पर अंधा मुनाफा कमा रहे हैं। यह दुःखद ही है कि जहां पहले ही मरीज रोग से पीड़ित होता है, वहां दवाइयों की कीमतों को लेकर पारदर्शिता का अभाव उसके दर्द को बढ़ाने वाला ही होता है। यह उम्मीद जगाने वाली पहल है कि कमिश्नर मुंडे ने एफडीए की पड़ताल के निष्कर्ष और सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है कि मेडिकल उपकरणों की कीमतों की पड़ताल और मुनाफे की सीमा निर्धारण पर गंभीरता से विचार किया जाए। साथ ही इस बाबत सशक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए।

इस तरह अब यह महत्वपूर्ण मामला राष्ट्रीय नियामक संस्थाओं के पास है, जिसमें एनपीपीए और फॉर्मास्यूटिकल विभाग आदि शामिल हैं। यह सुखद है कि मामला एक ईमानदार अधिकारी की सख्त पहल के बाद उजागर हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि मरीजों को उलटे उस्तरे से मूंडने का यह खेल दशकों से बहसूर जारी है। जिन सरकारों व संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी इसकी निगरानी की थी, वे निहित स्वाधों के चलते मूकदर्शक बने रहे हैं। महाराष्ट्र में एफडीए के कमिश्नर का पदभार संभालने के बाद मुंडे ने पूरे राज्य में खाद्य पदार्थों में मिलावट व सेहत के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक जोरदार अभियान चला रखा है। इतना ही नहीं, इस सार्थक पहल के बाद एफडीए ने बड़ी मात्रा में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली असुरक्षित खाद्य सामग्री भी जब्त की है। साथ ही खाद्य सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करने वाले कई नामी प्रतिष्ठानों व तथाकथित दिग्गजों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। विडंबना यह है कि खाद्य पदार्थों और चिकित्सा उपयोग में आने वाली वस्तुओं की कीमत व गुणवत्ता की जांच-पड़ताल और इनसे खुद को सुरक्षित रखने की सटीक जानकारी उपभोक्ता के पास नहीं होती है। फिर स्थानीय प्रशासन के लोग सिर्फ खाना-पूति के लिए कभी-कभार छापेमारी करके अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। यह शासन-प्रशासन का सामान्य दायित्व है कि अस्पताल में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं की कीमतें व्यावसंगत व पारदर्शी हों। निस्संदेह उपभोक्ता को वस्तुओं की वास्तविक कीमत की जानकारी दी जानी चाहिए। जहां जरूरी हो, वहां उचित मार्जिन ही लिया जाना चाहिए। निस्संदेह, केंद्र सरकार को मुंडे की रिपोर्ट पर समग्र रहते उचित कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अस्पतालों में मरीजों के उपचार में काम में आने वाले सामान की स्पष्ट बिलिंग हो।

आज का इतिहास

1843 - जॉन विलियम्स विल्सन ने नई स्वतंत्र चिली सरकार की तरफ से मैगेलन की जलडमरूमन का कब्ज़ा किया था.

1921 - ओप्लू, जर्मनी में एक स्टॉरेज सिलो में हुए विस्फोट में 500-600 लोग मारे गए थे.

1933 - साल्वाडोर लूटरोथ ने मेक्सिको को पहला इंफ़ेमएलएल (अब सीएमएलएल) शो चलाया था.

1934 - एक बड़े तूफान से पेरिचमी होन्गू, जापान में 3000 से अधिक लोग मारे गए थे.

1937 - जे आर आर टॉकिनस का द हॉबिट प्रकाशित किया गया था.

1942 - बोइंग बी -29 सुपरफ़ोर्टेस ने अपनी पहली उड़ान भरी थी.

1949 - पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को बौजिंग में स्थापित किया गया था.

1964 - उत्तरी अमेरिकी एक्सबी -70 वाल्करी ने दुनिया का पहला मैक 3 बॉम्बर, कैलिफ़ोर्निया के पामडेल से अपनी पहली उड़ान भरी थी.

1965 - गाँविया, मालदीव और सिंगापुर को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य के रूप में चुना गया था.

1971 - बहरीन, भूटान और कतर संयुक्त राष्ट्र में शामिल हो गए थे.

1976 - साल्वाडोर एलेंडे की चिली समाजवादी सरकार के सदस्य लैटेलियर की वॉशिंगटन, डी.सी. में हत्या कर दी गई थी.

1976 - सेरोश्वर संयुक्त राष्ट्र में शामिल हो गया था.

1981 - बेलीज को यूनाइटेड किंगडम से पूर्ण स्वतंत्रता मिली थी.

1981 - सैड्डा डे ओ'कोनर को सर्वसम्मति से अमेरिकी सीनेट द्वारा सर्वोच्च महिला सुप्रीम कोर्ट के न्याय के रूप में अनुमोदित किया गया था.

1983 - लंदन में ग्लेनगारी ग्लेन रॉस खोला गया था.

1984 - बुनेई संयुक्त राष्ट्र में शामिल हो गया था.

1991 - आर्मेनिया ने सोवियत संघ से आजादी हासिल की थी.

1993 - रूसी राष्ट्रपति बो़रिस येल्ट्सिन ने संसद को निर्लंबित किया और तत्कालीन कार्यवाहक सिवधान को तोड़ दिया था.

2003 - गैलीलियो अंतरिक्ष यान को बृहस्पति के वातावरण में भेजा गया था.

2011- ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के एक दल ने उच्च रक्तचाप के लिए जिम्मेदार 16 जीन की खोज करने में सफलता प्राप्त की थी.

2013 - अल-शबाब इस्लामी आतंकवादियों ने नेरोबी, केन्या में वेस्टगेट शॉपिंग मॉल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 67 लोग मारे गए थे.

बिहार में एनडीए सरकार में मुख्यमंत्री को लेकर बदलाव की आवश्यकता

बिहार में सत्ता हमेशा किसी एक पार्टी के पास नहीं रही है काफी उथल पुथल का दौर रहा है अगर पुराने मुख्यमंत्री की सूची पर नजर डाले तो बिहार के पूर्व मुख्य मंत्री के सूची पर नजर डालें तो 1977 में जनता पार्टी से कर्पूरी ठाकुर 1979 में रामसुंदर दास सांसलिस्ट पार्टी से थे जो कांग्रेस का ही एक घटक दल था भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जो मुख्य मंत्री बने उसमें 1980 में जगन्नाथ मिश्र, 1983 में चन्द्रशेखर सिंह, 1985 में बीदेश्वरी दुबे,और 1988 में भागवत झा आजाद, 1989 में कुछ समय के लिए सत्येन्द्र नारायण सिन्हा,बाद में पुनः जगन्नाथ मिश्र बने लेकिन 10 मार्च 1990 में लालू यादव जगन्नाथ मिश्र को चुनाव में हराकर आरजेडी से मुख्य मंत्री बने वे 1990 से 1997 तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे।

बाद में उन्हें 2004 से 2009 तक केंद्र की यूपीए सरकार में रेल मन्त्री का कार्यभार सौंपा गया।

संजय गोस्वामी

जबकि वे 15वीं लोक सभा में साराण (बिहार) से सांसद थे उन्हें बिहार के बहुचर्चित चारा घोटाला मामले में रांची स्थित केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अदालत ने पांच साल कारावास की सजा सुनाई थी। इस सजा के लिए उन्हें बिरसा मुण्डा केंन्द्रीय कारागार रांची में रखा गया थाकिन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के विशेष न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रखा जबकि उन पर कथित चारा घोटाले में भ्रष्टाचार का गम्भीर आरोप सिद्ध हो चुका था।

3 अक्टूबर 2013 को न्यायालय ने उन्हें पाँच साल की कैद और पच्चीस लाख रुपये के जुर्माने की सजा दी।दो महीने तक जेल में रहने के बाद 13 दिसम्बर को लालू प्रसाद को सुप्रीम कोर्ट से बेल मिली लालू यादव या उनका परिवार ही बिहार में लम्बे समय तक मुख्य मंत्री के रूप में टिके थे अब उनके पुत्र तेजस्वी यादव सीधे महा गठबंधन से बिहार के मुख्य मंत्री के रूप अपना नाम घोषित करा लिए लेकिन उनकी योग्यता पर सवाल उठाना जायज हैक्योंकि बिहार में गई सचिव,आईएसए, आई पी एस जो आई एस अधिकारी होता है वो नहीं चाहेंगा कि 9

वॉ पास तेजस्वी यादव को अंदर काम करें और फिर कम पड़े लिखे लोग उनके कामें पास होंगे जो किसी माफियाओ से मिले होंगे । लालू शावद बिहार के सबसे करिश्माई नेता हैं, और 1990 के दशक के मध्य में अपनी सत्ता के चरम पर, वे अजेय लग रहे थे। लेकिन सत्ता के मद में चूर कई राजनीतिक दिग्गजों की तरह, उन्होंने अपनी भूख और अहंकार को खुद पर हावी होने दिया। वे जादुई वादे लेकर आए और तबाही



मचा दी। हालाँकि, बिहार का विनाश लालू के यादव की अकेले की उपलब्धि नहीं थी। उस समय उनके सामने बदमाशों और निकम्मों की एक पूरी जमात बारी-बारी से आई थी। लेकिन अगर लालू को 1990 में विरासत में अव्यवस्था मिली, तो उन्होंने उसमें और भी अराजकता फैलाई, जैसे भूकंप के बाद आई तबाही पर कोई बवंडर आकर अवशेषों को तहस-नहस कर दिया ।

अगर इतिहास उन्हें असाधारण रूप से विनाशकारी मानेगा, तो शायद इसलिए भी कि वे इतने लंबे समय तक इस पद पर रहे। पंद्रह साल। रोम बनाने के लिए पर्याप्त समय नहीं, बल्कि पहले से ही कमजोर हो चुके राजघराने को तहस-नहस करने के लिए काफी। निजी तौर पर, उन्होंने इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए कि अंततः उन्हें अपनी सत्ता के चरम पर, वे अजेय लग रहे थे। लेकिन सत्ता के मद में चूर कई राजनीतिक दिग्गजों की तरह, उन्होंने अपनी भूख और अहंकार को खुद पर हावी होने

समाज हरिजन, दलितों, निम्न जाति के लोगों, पिछड़ा वर्गों और अल्पसंख्यकों के उद्धारकर्ता-मसीह के रूप में शुरूआत की थी,जो आज भी जाति पाती के बंधन में बंधा हैजिससे अभी तक कोई भी एक दल अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती 1990 के दशक की शुरूआत में शासन हुआ और उनके चारों ओर उनके ही परिवारों की भीड़ उमड़ती रहीं, जब तक कि उन्होंने अपने दायित्वों से हटकर खुद को सत्ता के महल में विनाशकारी मानेगा, तो शायद इसलिए भी कि वे इतने लंबे समय तक इस पद पर रहे। पंद्रह साल। रोम बनाने के लिए पर्याप्त समय नहीं, बल्कि पहले से ही कमजोर हो चुके राजघराने को तहस-नहस करने के लिए काफी। निजी तौर पर, उन्होंने इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए कि अंततः उन्हें अपनी सत्ता के चरम पर, वे अजेय लग रहे थे। लेकिन सत्ता के मद में चूर कई राजनीतिक दिग्गजों की तरह, उन्होंने अपनी भूख और अहंकार को खुद पर हावी होने

अपनी जनाधार बनाई और उप मुख्य मंत्री के तौर पर खू सुशील मोदी उप मुख्य मंत्री बने ।

जब जीत नीतीश कुमार के हाथ लगी, तो नीतीश को बस लालू की बनाई हुई चीज, पिछड़ों, दलितों और मुसलमानों का अजेय गणित, छीनना था। आज नीतीश जिस वोट को अपना मानते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा—जनता दल (यूनाइटेड) का वोट, जिसमें से भाजपा का सर्वण वोट दिया गया है—वही जनता दल (यूनाइटेड) का वोट लालू ने सबसे पहले हासिल किया था। नीतीश ने बिहार में विकास के काम पर फोकस किया और फिर चोरी, डकैती, अपहरण,लूट पाट गन्दे फिल्मों का पोस्टर और खुलेआम फिल्मों में गन्दी फ़िल्में खुलेआम नौजवानों ने देखी है और इसी क्रम में एलीफिस्टन सिनेमा में छपा पड़ा और बन्द हो गई लेकिन अन्य हेलो में ब्लू फ़िल्म । नीतीश ने लालू के सशक्तिकरण के बीज में छिपे विरोधाभासों को छुड़ा, लोकतुभावनवाद का गला घोट और शासन के गुणसूत्र को गति दी। जहाँ लालू मंच से सिर्फ दिखावा करने में ही खुश थे, वहीं नीतीश ने खुद को उस काम में झोंक दिया जो हाथ में था।

2005 से 2013 के बीच बिहार के उच्च वार्षिक विकास दर के आँकड़ों से बेहतर इसका कोई उदाहरण नहीं है। नीतीश ने लंबे समय से लंबित सुधार लाए। बहुत लंबे समय से, बिहार एक राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत रूपक बना हुआ है, नीतीश कुमार मुख्य मंत्री बने जो जेडीयू के पार्टी से थे जो समता पार्टी जो जेडीयू बनी जो एनडीए का एक घटक था और बीजेपी उसके साथ थी और बीजे छोटे दल के रूप में उभरा यानी अब बीजेपी बिहार में उपहास का रूपक है। बिहार पहले भी इस

दौड़ में था जब 1970 के दशक की शुरूआत में लंदन के द टाइम्स में ट्रेवर फिशलॉक द्वारा बिहार पर लिखी गई एक रिपोर्ट की अमिट याद है।

उन्होंने राज्य को भारत का नाला कहा था। लेकिन उस समय बिहार में प्रशासन कड़़ा था अपहरण, लूट हत्या आदि नहीं था लेकिन संसाधनों की कमी थी गावों में शिक्षा, पानी बिजली, और सड़क नहीं बना था लेकिन शहरों में स्थिति सामान्य थी बहुत लंबे समय से, बिहार तमाम तरह की भारतीय बुराइयों का प्रतीक रहा है—असमानता और बीमारी, कुप्रशासन, संस्थगत पतन, सामंतवाद, जातिवाद, बेलगाम अपराध, सर्वव्यापी भ्रष्टाचार, राजनीतिक फिजुलखर्ची, सार्वजनिक निराशावाद। अगर आपको भारत की सबसे बुरी हालत का एक सरसरी सप्शाल्कार करना हो, तो आप बिहार की सैर कर सकते हैं। भारतीय और विदेशी पत्रकारों की पौढ़ियां, भारत की स्थिति पर अपनी रिपोर्टों को इसकी स्पष्ट अक्षमताओं से सजाने के लिए बिहार आती रहीं। 2005 में शुरू हुए नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री के रूप में पहले कार्यकाल के मध्य में, यह धीरे-धीरे बदलने लगा।

सत्ता में अपने पहले वर्ष के बाद कई टेलीविजन चैनलों, अखबारों और समाज प्रहरी ने उन्हें वर्ष का राजनेता घोषित किया, , जब तक कि यह एक सामान्य बातों नहीं लगने लगी। द इकोनॉमिस्ट, जिसने कभी बिहार को भारत का बगल कहा था, ने एक रिपोर्ट में नीतीश के कुशल नेतृत्व की सराहना की। शीर्षक में कहा गया था: बिहारी ज्ञानोदय: भारत का सबसे कुख्यात राज्य अपनी प्रतिष्ठा पर खरा उतरने में विफल हो रहा है।

आज का राशिफल

मेघ- मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविके से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन - हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क - कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चन व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह - मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या - अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभंक-4-6-8

तुला - अपने काम पर नज़र रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होगा। पश्चिम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक- पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु - कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशुनकुल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभंक-3-5-6

मकर- आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ - खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। श्रातुपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशुनकुल कार्य होने में संदेह है।स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आयु के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

भूलती स्मृति के बीच योग की सजग रेशनी

सीमित कर देना उसके अर्थ को छोटा करना होगा।

व्यायाम शरीर को सक्रिय करता है, जबकि योग जीवन को देखने और जीने के ढंग को प्रभावित कर सकता है। योग की दृष्टि भोजन, नींद, श्वास, विचार, भावनाओं, दिनचर्या, संयम और व्यवहार तक जाती है। इसीलिए योग को जीवन के किसी एक घंटे में बंद नहीं किया जा सकता। जब वह जीवन में उतरता है तो वह आसन से आगे बढ़कर जीवन-पद्धति बनता है।

योग को लेकर दुनिया में वैज्ञानिक अनुसंधान का दायरा भी लगातार विस्तृत हुआ है। भारत के साथ अमेरिका, ब्रिटेन और कई अन्य देशों के विश्वविद्यालयों तथा चिकित्सा संस्थानों में योग के शारीरिक और मानसिक प्रभावों पर अध्ययन हुए हैं। तनाव, नींद, भावनात्मक स्वास्थ्य, संतुलन, जीवन की गुणवत्ता, शारीरिक सक्रियता और मानसिक क्षमताओं पर योग के प्रभावों की जांच की जा रही है। वृद्धावस्था में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने तथा संज्ञानात्मक क्षमताओं से जुड़े संभावित प्रभाव भी अनुसंधान के विषय बने हैं।

यह बदलाव महत्वपूर्ण है। योग अब केवल साधना-कक्ष या आश्रम का विषय नहीं रह गया है। आधुनिक विज्ञान उसकी विभिन्न प्रक्रियाओं को अलग-अलग कसौटियों पर समझने की कोशिश कर रहा है। शरीर पर आसनों का प्रभाव क्या है? श्वास संबंधी अभ्यास तनाव और विश्राम को किस तरह प्रभावित करते हैं? नियमित अभ्यास नींद और जीवन की गुणवत्ता पर क्या असर डालता है? ध्यान और एकाग्रता से जुड़ी प्रक्रियाएं मानसिक स्वास्थ्य में कितनी उपयोगी हो सकती हैं? ऐसे अनेक प्रश्न शोधकर्ताओं के सामने हैं।

लेकिन अनुसंधान को प्रमाणित उपचार समझ लेना वैज्ञानिक दृष्टि नहीं होगा। किसी अध्ययन में लाभ के संकेत मिलना और किसी अवश्यक उपचार चिकित्सा-विज्ञान का क्षेत्र है। योग की भूमिका इससे अलग है। योग मूलतः जीवन-शैली है-शरीर, मन, श्वास, भावनाओं और व्यवहार में संतुलन तथा सजगता विकसित करने वाली जीवन-पद्धति।

यही अंतर आज समझना इसलिए जरूरी है कि योग के प्रति बढ़ती रुचि कहीं उसे हर रोग की दवा में न बदल दे। योग की अपनी गरिमा उसके चमत्कारी दावों में नहीं, बल्कि जीवन को व्यवस्थित करने की उसकी दृष्टि में है। स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने योग को केवल आसनों की तकनीक नहीं माना। आसन प्राणायाम मुद्रा बंध में वे योग को बहुमूल्य आध्यात्मिक विरासत बताते हैं। योग का विषय उसके लिए केवल शरीर नहीं, बल्कि मनुष्य का समग्र अस्तित्व है। शरीर, मन और चेतना के बीच सामंजस्य स्थापित करना उसकी व्यापक साधना का हिस्सा है। इसलिए योग को केवल शरीर को लचीला बनाने वाले अभ्यासों तक

सामाजिक संपर्क, मानसिक सक्रियता और तनाव को संभालने की स्वस्थ आदतें समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। योग इन तत्वों को अनुशासन और सजगता के साथ जीवन में उतारने का माध्यम बन सकता है। इस अर्थ में उसका महत्व बीमारी के सामने आने के बाद ही नहीं, बल्कि बीमारी से पहले की जीवनचर्या में भी है। स्वामी सत्यानंद की योग-पद्धति में पवनमुक्तासन का विशेष स्थान है। उन्होंने इसे तीन समूहों में व्यवस्थित किया—गठिया निरोधक, अभ्यास, उदर अभ्यास और शक्ति बंध अभ्यास। इनका उद्देश्य शरीर के विभिन्न हिस्सों को सक्रिय करना और अभ्यासकर्ता को अपने शरीर के प्रति अधिक जागरूक बनाना है। इन्हें किसी रोग की दवा मानना उचित नहीं होगा। इनका मूल्य नियमित अभ्यास और शरीर के साथ सजग संबंध विकसित करने में है।

प्राणायाम की इसी जीवन-दृष्टि का महत्वपूर्ण अंग है। नाड़ी शोधन, धामरी और उज्जायी जैसे अभ्यास श्वास पर ध्यान केंद्रित करते हैं। श्वास केवल शरीर की जैविक आवश्यकता नहीं, योग में वह सजगता के माध्यम भी है। जब व्यक्ति श्वास को देखना और उसके साथ रहना सीखता है, तो वह अपने भीतर चल रही बेचैनी और तनाव को पहचानने की दिशा में बढ़ता है। इसे अल्ट्राइमर का उपचार कहना गलत होगा, लेकिन तनाव और विश्राम से संबंधित जीवनचर्या में योग की संभावित भूमिका को समझने के लिए यह क्षेत्र अनुसंधान योग्य जरूर है।

मंत्र साधना सत्यानंद परंपरा में योग के व्यापक स्वरूप का एक और पक्ष है। महाभुलूजय मंत्र, गायत्री मंत्र और दुर्गा जी के बरीस नामों का जप साधना के विभिन्न रूपों से जुड़ा है। मंत्र का आध्यात्मिक महत्व अपनी जगह है और एकाग्रता तथा नियमितता के अभ्यास के रूप में इसकी भूमिका को अलग से देखा जा सकता है। लेकिन यहां भी वही सीमा लागू होती है—आध्यात्मिक साधना को चिकित्सकीय उपचार का रूप नहीं दिया जाना चाहिए।

योगनिद्रा इसी क्रम में विश्राम और सजगता का अभ्यास है। स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने योगनिद्रा को जागरूक विश्राम की दृष्टि से समझाया है। सामान्य नींद में चेतना विश्राम की अवस्था में चली जाती है, जबकि योगनिद्रा में विश्राम के साथ जागरूकता बनाए रखने का प्रयास किया जाता है। तनावपूर्ण जीवन में विश्राम का महत्व बढ़ रहा है और इसी कारण योगनिद्रा सहित योग की विभिन्न प्रक्रियाओं में वैज्ञानिक अध्ययन भी हो रहे हैं। फिर भी किसी विशेष रोग के उपचार के संबंध में निष्कर्ष निकालने से पहले पर्याप्त प्रमाण आवश्यक हैं।

योग की चर्चा में एक और महत्वपूर्ण बात है—नियमितता। योग का अर्थ कभी-कभार आसन कर लेना नहीं है। यदि भोजन अनियमित है, नींद लगातार कम है, शरीर निष्क्रिय है, मन

लगातार तनाव में है और सामाजिक संबंध कमजोर होते जा रहे हैं, तो केवल कुछ आसन कर लेने से जीवन संतुलित नहीं हो जाता। योग तब जीवन-शैली बनता है जब वह व्यक्ति की दिनचर्या में संयम, जागरूकता और अनुशासन लाता है।

इसलिए योग का वास्तविक प्रश्न यह नहीं कि वह कितनी बीमारियां ठीक कर सकता है। बड़ा प्रश्न यह है कि वह मनुष्य को अपने जीवन के प्रति कितना सजग बना सकता है। क्या वह हमें शरीर की थकान पहचानना सिखाता है? क्या वह हमें पर्याप्त विश्राम के लिए प्रेरित करता है? क्या वह भोजन और दिनचर्या में संयम लाता है? क्या वह तनाव को पहचानने और संभालने की क्षमता बढ़ाता है? यदि योग इन प्रश्नों के साथ जीवन में प्रवेश करता है, तभी वह जीवन-शैली बनता है।

अल्ट्राइमर के साथ जी रहे व्यक्ति के लिए परिवार की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। स्मृति कमजोर होने पर व्यक्ति की गरिमा समाप्त नहीं होती। वह परिचित नाम भूल सकता है, रास्ता भूल सकता है, अपने लोगों को पहचानने में कठिनाई महसूस कर सकता है, लेकिन उसे धैर्य, सम्मान और आत्म्यता की जरूरत बनी रहती है। इसलिए अल्ट्राइमर का प्रश्न केवल चिकित्सकीय नहीं, मानवीय भी है।

यहां 2026 का विश्व अल्ट्राइमर दिवस एक महत्वपूर्ण संदेश देता है—जितनी जल्दी जानेंगे, उतना अधिक कर सकेंगे। इसका पहला अर्थ है कि असामान्य स्मृति-परिवर्तन को नजरअंदाज न करें। दूसरा अर्थ यह है कि बीमारी के निदान और उपचार के साथ व्यक्ति की जीवन-शैली, परिवार और सामाजिक वातावरण को भी महत्व दिया जाए।

योग इसी व्यापक दृष्टि में अपनी जगह बनाता है। वह रोग का निदान नहीं करता, चिकित्सकीय उपचार निर्धारित नहीं करता और दवा का स्थान नहीं लेता। वह व्यक्ति को अपने शरीर और मन के साथ सजग संबंध बनाने का अभ्यास देता है। चिकित्सा बीमारी के उपचार की व्यवस्था है; योग जीवन को व्यवस्थित करने की साधना।

दोनों को आमने-सामने खड़ा करने की जरूरत नहीं है। जहां चिकित्सकीय जांच आवश्यक है, वहां जांच होनी चाहिए। जहां दवा और उपचार जरूरी हैं, वहां उनका पालन होना चाहिए। और जहां स्वस्थ जीवनचर्या की बात है, वहां योग उपयोगी साधन बन सकता है। चिकित्सक बीमारी का उपचार करें और योग जीवन को संभालने में सहायक बने—यही दोनों की उचित भूमिका है।

आज दुनिया योग को लेकर शोध कर रही है। उसकी परंपरा, उसके अनुभव और आधुनिक विज्ञान—तीनों के बीच संवाद होना चाहिए। जहां प्रमाण हैं, उन्हें स्वीकार किया जाए; जहां शोध जारी है, वहां प्रतीक्षा की जाए; और जहां प्रमाण नहीं हैं, वहां दावे से बचा जाए।

राजीव के दौर में बना, मोदी सरकार ने पहले नाम बदला अब भंग किया 37 साल पुराना कमीशन

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत सरकार ने अपने करीब 37 साल पुराने डिजिटल संचार आयोग (डिसीसी) को भंग कर दिया है। यह दूरसंचार विभाग का एक शीर्ष अंतर-विभागीय निर्णय लेने वाला निकाय था। यह निकाय देश में दूरसंचार से जुड़े नीतिगत मामलों और महत्वपूर्ण वित्तीय निहिताथों वाले विषयों पर निर्णय लेता था। सरकार ने 19 सितंबर को एक अधिसूचना जारी कर इसकी जानकारी दी है। इस कदम से दूरसंचार क्षेत्र में नीतिगत निर्णय लेने की प्रक्रिया में बदलाव आने की उम्मीद है। यह आयोग मूल रूप से 1989 में राजीव गांधी के प्रधानमंत्री काल में दूरसंचार आयोग के रूप में गठित हुआ था। इसकी स्थापना भारत सरकार की ओर से 11 अगस्त

1989 को एक एक प्रस्ताव के जरिये की गई थी। बाद में 2018 में इसका नाम बदलकर डिजिटल संचार आयोग कर दिया गया था। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने सितंबर 2018 में राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति-2018 (एनडीसीपी-2018) के तहत इसे मंजूरी दी थी। अक्तूबर 2018 में इसके आधिकारिक नाम परिवर्तन की अधिसूचना जारी की गई थी। अधिसूचना में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत सरकार ने डिजिटल संचार आयोग को भंग करने का निर्णय लिया है। इस संकल्प के प्रकाशन की तारीख से डिजिटल संचार आयोग भंग माना जाएगा। यह निर्णय दूरसंचार क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव को दर्शाता है।

डिजिटल संचार आयोग की भूमिका

यह आयोग एक शीर्ष निर्णय लेने वाला निकाय था। इसमें नीति आयोग, वित्त मंत्रालय और औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। आयोग विवादास्पद मुद्दों को सुलझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। अधिकांश दूरसंचार मामलों पर कैबिनेट को अंतिम स्वीकृति के लिए भेजने से पहले यह आयोग ही निर्णय लेता था। इसने स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की सिफारिशों जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय लेने में सहायता की थी। इसका मुख्य कार्य दूरसंचार क्षेत्र के लिए एक सुदृढ़ नीतिगत ढांचा तैयार करना और उस लागू करवाना था।



आयोग की अंतिम बैठक में लिए गए निर्णय

इस निकाय की अंतिम बैठक 3 सितंबर को आयोजित की गई थी। इस बैठक में सैटकॉम स्पेक्ट्रम के आवंटन से संबंधित निर्णय को अंतिम रूप दिया गया था। एलोन मस्क के नेतृत्व वाली स्टारलिक, भारती समूह समर्थित यूटेलसैट वनवेब और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस को भारत में सैटकॉम सेवाएं शुरू करने की अनुमति मिली है। यह निर्णय भारत में उपग्रह संचार सेवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आयोग ने इन कंपनियों को भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की प्रारंभिक अनुमति प्रदान की थी।

अल्ट्राटेक सीमेंट को जैसलमेर में नई खनन परियोजना के पहले चरण की मिली मंजूरी

राजस्थान ।

अल्ट्राटेक सीमेंट लि. ने जैसलमेर के जोगा गांव में प्रस्तावित नई चूना पत्थर खनन परियोजना के लिए मंजूरी प्रक्रिया का पहला चरण पार कर लिया है। कंपनी राजस्थान के कोटपतली-बहरोड़ जिले में अपनी खनन परियोजना में पर्यावरण अनुपालन और अन्य नियमों के उल्लंघन के आरोपों का सामना कर रही है। प्रस्तावित खनन परियोजना 400 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फैली है और इसमें पत्थर तोड़ने की इकाई भी शामिल है। यह परियोजना गंभीर रूप से अस्तित्व का संकट झेल रहे पक्षी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडवण के 'प्राथमिकता वाले क्षेत्र' से महज 5.8 किलोमीटर दूर स्थित है। प्राथमिकता वाले क्षेत्र गोडवण के महत्वपूर्ण आवास माने जाते हैं, जहां ये पक्षी



आश्रय लेते हैं और प्रजनन करते हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट ने गोडवण के प्राथमिकता वाले क्षेत्र के लिए नुकसान कम करने को लेकर कई उपाय करने का प्रस्ताव किया है। इनमें पानी का छिड़काव कर धूल को नियंत्रित करना, पत्थर तोड़ने वाली इकाई में बैग फिल्टर लगाना और आसपास के क्षेत्रों में बाधाओं को कम करना शामिल है। हालांकि, कोटपतली-बहरोड़ के जोधपुर-मोहनपुर गांव में कंपनी की 500 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फैली चूना

पत्थर खनन परियोजना में पर्यावरण और स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए नुकसान कम करने के उपाय नहीं करने के आरोप लगे हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की मध्य क्षेत्र पीठ ने नवंबर, 2025 में निजी कंपनी को गांव में

पर्यावरणीय नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी खतरों के लिए जिम्मेदार ठहराया था। एनजीटी ने अल्ट्राटेक सीमेंट को रात में विस्फोट करने का काम बंद करने, पत्थर तोड़ने वाले क्षेत्र को तिरपास से ढकने, संपर्क मार्गों पर पानी का छिड़काव करने तथा प्रदूषण नियंत्रण के लिए बैग फिल्टर, वैक्यूम सब्सन यानी धूल खींचने वाले उपकरण और सूक्ष्म जल-कुछासा प्रणाली का इस्तेमाल करने का आदेश दिया था। इन आरोपों पर कंपनी की प्रतिक्रिया अभी नहीं मिली है।

एकेटीयू का इनोवेशन हब लॉन्च, यूपी के स्टार्टअप्स को मिलेगा नया मुकाम



लखनऊ।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू), लखनऊ ने उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप परिवेश को सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण डिजिटल मंच इनोवेशन हब का अनावरण किया है। यह मंच राज्य भर के निवेशकों, इनक्यूबेटर्स और उभरते उद्यमियों को एक साझा डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र पर लाएगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने हाल ही में इसे लॉन्च किया, जिसका लक्ष्य स्टार्टअप, निवेशक और इनक्यूबेटर जैसे सभी संबंधित पक्षों को एक साझा पारिस्थितिकी तंत्र

से जोड़ना है। नोएडा की सांची कनेक्ट द्वारा विकसित यह मंच, स्टार्टअप्स को निवेश और बाजार तक पहुंच प्रदान करने में मदद करेगा। एकेटीयू इनोवेशन हब के एक अधिकारी ने कहा कि यह मंच राज्य की प्रतिभा को सही कनेक्शन देगा। उत्तर प्रदेश देश का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परिवेश है, और इनोवेशन हब इस क्षमता का पूरा उपयोग करने में मदद करेगा। अब तक 35 इनक्यूबेटर इससे जुड़ चुके हैं और एकेटीयू विश्वविद्यालय की मदद से इस संख्या को 70 तक पहुंचाने में मदद करेगा।

चेन्नई में हरे पैकेट की कमी से आविन दूध की बिक्री में भारी गिरावट

आपूर्ति में कमी के कारण पिछले छह माह में बिक्री में 10-15 फीसदी गिरावट



चेन्नई।

चेन्नई समेत तमिलनाडु के कई प्रमुख शहरों में सरकारी डेयरी सहकारी आविन के दूध की किछ्ठा गहरा गई है। पिछले छह महीनों में विशेषकर इसके सबसे लोकप्रिय हरे पैकेट की उपलब्धता कम होने से बिक्री में 10 से 15 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस आपूर्ति

संकट के चलते उपभोक्ताओं को न केवल अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में मुश्किल हो रही है, बल्कि उन्हें अधिक कीमतों पर निजी डेयरी ब्रांडों का रख करना पड़ रहा है, जिससे उनका मासिक बजट बिगड़ रहा है। कभी चेन्नई में प्रतिदिन लगभग 16.5 लाख लीटर दूध बेचने वाली आविन की बिक्री अब काफी घट गई है। एजेंटों का आरोप है कि यह समस्या सहकारी समिति द्वारा दूध की अपर्याप्त खरीद के कारण है, जिसे मांग के अनुरूप नहीं बढ़ाया

गया है। अगस्त से यह कमी और भी गंभीर हो गई है, जिससे आविन आउटलेट्स और दुकानों पर हरे पैकेट वाले दूध की भारी कमी है। यह संकट अब सिर्फ चेन्नई तक सीमित नहीं है, बल्कि कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, मद्रुरै, सलेम और इरोड़ जैसे अन्य जिलों में भी फैल गया है। कई आउटलेट्स पर दूध की आपूर्ति कम कर दी गई है, जिससे ग्राहकों को सुबह जल्दी ही दूध खरीदना पड़ रहा है या महंगे निजी ब्रांडों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। कुछ छोटी दुकानों पर आधे लीटर वाले हरे पैकेट (सरकारी कीमत 22 रुपये) को 24 रुपये में बेचा जा रहा है, जिससे परिवारों का मासिक खर्च बढ़ रहा है।

टाइटन छोटी कंपनियों में निवेश या अधिग्रहण को तैयार

त्योहारी और शादी के सीजन में मजबूत मांग का अनुमान



टाइटन कंपनी की एक अधिकारी ने इस वर्ष शादी के सीजन के जल्दी शुरू होने और दिवाली के देर से पड़ने के कारण मांग में मजबूती आने का अनुमान लगाया है। यह भी स्वीकार किया कि बढ़ती मांग

मुंबई।

टाटा ग्रुप की अग्रणी कंपनी टाइटन अपने प्रीमियम और लक्जरी घड़ी कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में है। इस रणनीति के तहत कंपनी छोटी और उभरती हुई घड़ी कंपनियों में निवेश करने या उनका अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। टाइटन को आगामी त्योहारी सीजन में उपभोक्ता मांग में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है, जिससे कंपनी के विस्तारवादी एजेंडे को और गति मिलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार

को पूरा करने के लिए कंपनी अपनी आपूर्ति क्षमता बढ़ाने पर लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम बहुत मजबूत मांग की उम्मीद कर रहे हैं और त्योहारी सीजन की शुरुआत काफी अच्छी रही है। सच कहें तो, हमें बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए जरूरी आपूर्ति क्षमता सुनिश्चित करने में चुनौती आ रही है। फास्टैक, जूए और टाइटन रागा जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों की मालिक टाइटन इस चुनौती को पार कर बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दशहरा पर भारत को मिलेगा बड़ा ट्रेड गिफ्ट, न्यूजीलैंड के साथ एफटीए होगा लागू, लक्सन बोले- मैं बहुत रोमांचित हूं



पीयूष गोयल ने दी जानकारी

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) 20 अक्टूबर यानी विजयदशमी (दशहरा) पर लागू होने जा रहा है। इसकी जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से सोमवार को दी गई। इस एफटीए को दोनों देशों की जीत बताते हुए गोयल ने एक्स पोस्ट में लिखा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए विजयदशमी के मौके पर 20 अक्टूबर 2026 को लागू होगा।

बिजनेस में होगी बढ़ोतरी

लक्सन ने अपनी पोस्ट में कहा कि यह सोचना रोमांचक है कि इस मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वजह से कितने बिजनेस बढ़ेंगे। और फिर यह सोचना कि इसका उन बिजनेस, उनमें काम करने वाले लोगों और पूरे देश के लिए क्या मतलब होगा। न्यूजीलैंड के पीएम ने उम्मीद जताई कि डील के लागू होने से एक्सपोर्टर्स के लिए ज्यादा अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही बिजनेस तेजी से बढ़ेंगे और न्यूजीलैंड में ज्यादा रोजगार और आमदनी के मौके लोगों को मिलेंगे।

स्टारबक्स चेन्नई में खोलेगी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर

चेन्नई ।

चेन्नई में अमेरिका की मशहूर कॉफी कंपनी स्टारबक्स तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर खोलने की योजना बना रही है। शुरुआत में इस केंद्र के जरिए करीब 800 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इससे चेन्नई के वैश्विक कंपनियों के टेक्निकल और कारोबारी केंद्र के रूप में बढ़ते महत्व को भी बल मिल सकता है। अमेरिका की कॉफी कंपनी स्टारबक्स भारत में अपने कारोबार को एक नए स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही है। कंपनी तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर खोलने की योजना बना रही है। सरकारी सूत्र के अनुसार, इस केंद्र के पहले चरण में करीब 800 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। हालांकि, स्टारबक्स की ओर से इस योजना को लेकर अभी आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने

800 लोगों को मिलेगा रोजगार



नहीं आई है। नएस्थान तलाशें मौजूद जानकारी के अनुसार स्टारबक्स भारत में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के साथ संयुक्त कारोबार के जरिए करीब 500 कॉफी दुकानों का संचालन करती है। भारत में कंपनी की मौजूदगी लगातार बढ़ी है और अब चेन्नई में वैश्विक स्तर की कारोबारी गतिविधियों के लिए नया केंद्र शुरू करने की योजना सामने आई है। कंपनी ने इस

प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश में खोला देश का सबसे बड़ा सौर सेल संयंत्र

एक एकड़ में 3,293 करोड़ के निवेश से बनी इकाई



नई दिल्ली।

सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश के नायडू पेटा में देश का सबसे बड़ा सौर सेल विनिर्माण संयंत्र शुरू कर अपनी कुल क्षमता को बढ़ाकर 10.6 गीगावाट (जीडब्ल्यू) कर लिया है। प्रीमियर एनर्जीज ने आंध्र प्रदेश के नायडू पेटा में 7 जीडब्ल्यू क्षमता वाली नई सौर सेल विनिर्माण इकाई शुरू की है। 101 एकड़ में फैली यह इकाई 3,293 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय से विकसित की गई है और अब यह भारत का सबसे बड़ा सौर सेल

विनिर्माण संयंत्र है। यह संयंत्र अत्याधुनिक टनल ऑक्साइड पैसिवेटेड कॉन्टैक्ट तकनीक का उपयोग करता है, जिससे सौर मांड्रूल की कार्यक्षमता और बिजली उत्पादन क्षमता काफी बढ़ जाती है। इस इकाई में प्रति घंटे लगभग 88,000 सौर सेल का उत्पादन किया जा सकता है। प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चिरंजीव सलुजा ने कहा कि यह क्षमता विस्तार कंपनी को बढ़ती मांग को अधिक भरोसेमंद और परिचालन दक्षता के साथ पूरा करने में सक्षम बनाएगा।

पश्चिम बंगाल में मत्स्य पालन के विकास के लिए केंद्र देगा 9 करोड़ रुपये



कोलकाता।

केंद्र ने पश्चिम बंगाल को देश का सबसे बड़ा मछली उत्पादक राज्य बनने में मदद करने के लिए हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया है। केंद्रीय मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह ने सूखे की आशंका वाले दो जिलों में छह 'अमृत सरोवर' परियोजनाएं विकसित करने के लिए नौ करोड़ रुपये की मंजूरी का पत्र साँपा है। सिंह ने शहर के पास न्यू टाउन में पशु संसाधन विकास विभाग में मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी के साथ पश्चिम बंगाल में मछली पालन और जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) के विकास पर समीक्षा बैठक की सह-अध्यक्षता करने के बाद यह भरोसा दिया। लगभग डेढ़ घंटे चली इस बैठक में राज्य भर में मछली पालन

और उससे जुड़े व्यवसायों के विकास पर चर्चा की गई, जिसमें तटवर्, खारे पानी और पहाड़ी इलाके भी शामिल थे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सिंह ने कहा, “हमने राज्य को हरसंभव मदद का भरोसा दिया है।” उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, जो अभी देश का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक राज्य है, उसमें उत्पादन बढ़ाने और शीर्ष स्थान पर पहुंचने की अपार क्षमता है। सिंह ने

भरोसा जताया कि चार महीने पहले राज्य में भाजपा सरकार के गठन के बाद से किए जा रहे काम से पश्चिम बंगाल को मछली उत्पादन में शीर्ष पर पहुंचने में मदद मिलेगी। राजनीति उन्होंने सुंदरबन में ब्लैक टाइगर झींग और मड क्रैब (केकड़े) के उत्पादन का केंद्र बनने की क्षमता पर भी जोर दिया। अधिकारी ने कहा कि राज्य को अब प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत लाया गया है, जिससे मछुआरों को क्रेडिट (ऋण) सहित कई तरह के लाभ मिल सकेंगे। अधिकारी ने कहा, “पश्चिम बंगाल में मछली पालन क्षेत्र में बहुत क्षमता है। हमने इस पर कई बार चर्चा की है। मैं राजीव रंजन सिंह का धन्यवाद करता हूं।

कैब्स पर विज्ञापन का नया प्लेटफॉर्म, कैपेन की रीच होगी ट्रेक

इंदौर । शहर में मोबिलिटी आधारित विज्ञापन प्लेटफॉर्म 'एड ऑन व्हील्स' जल्द लॉन्च होगा। इसके जरिए चलती कैब्स पर विज्ञापन प्रदर्शित करने के साथ ब्रांड्स अपने कैपेन की डिलीवरी, रीच और रिसर्पॉन्स को ट्रैक कर सकेंगे। कंपनी के अनुसार, प्लेटफॉर्म का उद्देश्य आउटडोर विज्ञापन को अधिक पारदर्शी और मापने योग्य बनाना है। प्लेटफॉर्म पर ब्रांड्स और विज्ञापन एजेंसियां अपनी जरूरत के अनुसार शहर, जोन, प्लोटी या किसी व्यक्तिगत कैब की विज्ञापन इवेंट्स चुन सकेंगी। कैपेन तैयार करने के लिए क्लाइंट वॉलेंट में राशि जोड़कर क्रिएटिव और लक्षित इवेंट्स की का चयन किया जा सकेगा। कैपेन के दौरान सत्यापित प्ले, रिपोर्ट, स्कैन और लीड्स की जानकारी रियल टाइम में उपलब्ध होगी। 'एड ऑन व्हील्स' के को-फाउंडर शुभम जैन ने बताया कि प्लेटफॉर्म आउटडोर विज्ञापन की विजिबिलिटी और डिजिटल मीडिया की जवाबदेही के बीच अंतर कम करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उनका कहना है



कि ब्रांड्स को अपने विज्ञापन निवेश की डिलीवरी और प्रदर्शन से जुड़ी स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना प्लेटफॉर्म का प्रमुख फोकस है। को-फाउंडर अनुज गावंडे ने कहा कि चलती विज्ञापन इवेंट्स को डिजिटल मीडिया की तरह आसानी से खरीदने, मापने और स्कैल करने योग्य बनाना प्लेटफॉर्म का विजन है। टेक्नोलॉजी और क्रिएटिव प्रोडक्शन के जरिए शहर के अलग-अलग हिस्सों में ब्रांड्स को लक्षित दर्शकों तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, प्लेटफॉर्म से जुड़ी कैम्स और विज्ञापन उपकरण जहां सक्रिय होंगे, वहां कैपेन संचालित किए जा सकेंगे। इससे स्थानीय और राष्ट्रीय ब्रांड्स को मोबिलिटी माध्यम के जरिए लक्षित विज्ञापन का विकल्प मिलेगा।

पीएम मोदी के 25 वर्ष के सेवा संकल्प को साकार करने रायपुर में 25 सितंबर से ‘पदयात्रा सप्ताह’ : विधायक पुरन्दर मिश्रा के नेतृत्व में निकलेगी यात्रा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे शुभारंभ; 2 अक्टूबर को राज्यपाल रमेन डेका की मौजूदगी में होगा भव्य समापन; नशामुक्ति, स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का दिया जाएगा संदेश

तरुण बच्छोर- जनता के गोठ रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा संकल्प को साकार करने और जनसेवा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक ‘पदयात्रा सप्ताह’ का आयोजन किया जा रहा है। विधायक पुरन्दर मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित यह आठ दिवसीय जनजागरूकता अभियान नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण,

वृक्षारोपण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को समर्पित रहेगा।

इस अभियान की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती (25 सितंबर) पर होगी और इसका समापन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) पर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ, राज्यपाल की उपस्थिति में होगा समापन

- शुभारंभ (25 सितंबर, दोपहर 3 बजे): तेलीबांधा थाना चौक पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ यात्रा प्रारंभ होगी। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। कार्यक्रम में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, पूर्व राज्यसभा सांसद सरोज



पांडे, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, रायपुर महापौर मीनल चौबे व शहर जिलाध्यक्ष रमेश ठाकुर सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे।

- समापन (2 अक्टूबर, दोपहर 3 बजे): मेडिकल कॉलेज सभागार में

राज्यपाल रमेन डेका की गरिमामयी उपस्थिति में भव्य समापन और कार्यक्रमता सम्मान समारोह होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

27 वर्षों की परंपरा और 22 हजार से अधिक लोगों को नशामुक्ति

का संकल्प विधायक पुरन्दर मिश्रा ने बताया कि पदयात्रा उनके लिए केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि पिछले 27 वर्षों से चला आ रहा जनसेवा और जनजागरण का निरंतर संकल्प है। उन्होंने अपने गृह ग्राम सराईपाली दुर्गापाली से इसकी शुरुआत की थी।

उन्होंने बताया कि बीते 26 वर्षों के दौरान उनके जनजागरण प्रयासों से 22,640 लोगों को नशामुक्ति के लिए प्रेरित किया गया है। इस आठ दिवसीय यात्रा में भी युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज को नशामुक्त बनाना प्रमुख प्राथमिकता रहेगी।

8 दिनों का पूरा रूट चार्ट

- 25 सितंबर: तेलीबांधा थाना चौक से प्रारंभ होकर शहीद भगत सिंह चौक (गौरव पथ) पर प्रथम दिवस का

समापन। (रविग्राम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण)

- 26 सितंबर: शहीद भगत सिंह चौक से प्रारंभ होकर डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा होते हुए कलेक्टोरेट चौक (छत्तीसगढ़ महतारी प्रतिमा) में समापन।

- 27 सितंबर: कलेक्टोरेट चौक से शास्त्री चौक, जयसंतभ चौक होते हुए शारदा चौक (डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रतिमा) पर समापन।

- 28 सितंबर: शारदा चौक से तात्यापारा चौक, नवीन मार्केट, रामसागर पारा, राठौर चौक होते हुए गुरुनानक चौक में समापन।

- 29 सितंबर: गुरुनानक चौक से मौदहापारा होते हुए फफडीह में समापन।

- 30 सितंबर: फफडीह चौक से सरदार वल्लभ भाई पटेल चौक (लाल

चौक) पर समापन।

- 1 अक्टूबर: सरदार पटेल चौक से पंडरी पुराना बस स्टैंड (मिनीमाता प्रतिमा) पर समापन।

- 2 अक्टूबर: मेडिकल कॉलेज सभागार में भव्य समापन एवं सम्मान समारोह।

जनभागीदारी से अभियान को सफल बनाने की अपील

विधायक मिश्रा ने रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के आम नागरिकों, युवाओं, सामाजिक संगठनों और कार्यकर्ताओं से इस अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से आम जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा।

विद्यार्थियों की कल्पना में साकार हुआ विकसित भारत का सपना

शासकीय रविशंकर प्राथमिक शाला, चांदमारी रायगढ़ में उत्साहपूर्वक मनाया गया संकल्प दिवस

रायपुर जनता के गोठ। शासकीय रविशंकर प्राथमिक शाला चांदमारी रायगढ़ में विभागीय निर्देश अनुसार सेवा संकल्प दिवस अत्यंत उत्साह पूर्वक मनाया गया।यह संकल्प दिवस प्रधान मंत्री माननीय श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी के सेवा काल के 25 वर्ष पूर्ण होने की खुशी में तीन दिवसों 17 सितंबर से 19 सितंबर तक चला।प्रथम दिवस 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीप प्रज्वलित कर किया गया। द्वितीय दिवस विद्यार्थियों ने अपनी कल्पना और विचारों से विकसित भारत के संकल्प को रंगों एवं शब्दों से अभिव्यक्त किया।इस अनुक्रम में तृतीय दिवस उन्होंने शिक्षित, आत्मनिर्भर,हरित और तकनीकी रूप से सक्षम भारत की परिकल्पना विद्यालय प्रबंधन समिति के उपस्थित सदस्यों, अभिभावकों ,



गणमान्य नागरिकों ,सेवानिवृत्त शिक्षक व शालेय परिवार के समक्ष प्रस्तुत की। इस शुभ अवसर पर सेवानिवृत्त व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामभांठा रायगढ़ श्रीमती नीलिमा राजपूत जी का शाल , श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत ससम्मान प्राचार्य श्री भरत लाल नामदेव व प्रधान पाठक डॉ.मनीषा त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से श्रीमती पंकजलता यादव,श्री इतवार सिंह, श्रीमती राजकुमारी नाग,सरिता गौतम, वरिष्ठ व्याख्याता श्री निराकार पटेल,प्रधान पाठक श्रीमती प्रेमलता चंदेल, संकुल शैक्षिक समन्वयक श्री सनी खाण्डे की उपस्थिति रही। सभी ने

बच्चों की सहभागी बच्चों की प्रतिभा सह शाला द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की।एस एम सी सदस्य श्री इतवार सिंह जी ने बच्चों को नगद राशि देकर प्रोत्साहित किया एवं उनकी ओर से बच्चों को चाकलेट दिया गया। सभी को प्रधान पाठक डॉ.मनीषा त्रिपाठी द्वारा न्यूता भोज दिया गया। बच्चे अत्यंत प्रसुंक्षित हुए। कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित प्रधान पाठक 1डॉ.मनीषा त्रिपाठी ने किया, धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य श्री भरत लाल नामदेव जी ने एवं छायांकन सहायक शिक्षक द्वय श्रीमती अंजलिका लाल व श्री राकेश कुमार यादव जी ने किया।

बकावंड जनता के गोठ। सुबह की पहली किरण के साथ जब अमूमन गांवों में चहल-पहल शुरू होती है, तब जनपद पंचायत बस्तर और ग्राम पंचायत आड़ावाल की गलियों में एक अलग ही उमंग और बदलाव की बयार देखने को मिली। सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत स्वच्छ भारत, विकसित भारत के आह्वान पर स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत ग्रामीण, महिलाएं और युवा पूरी ऊर्जा के साथ अपने गांव को संवारने सड़कों पर उतर आए। कहीं स्वच्छ ग्राम-स्वच्छ वार्ड की होड़ थी, तो कहीं बरसों से उपेक्षित सार्वजनिक स्थलों को नया जीवन देने की जिद।

ग्राम पंचायत आड़ावाल में माहौल किसी उत्सव जैसा रहा, जहां स्वच्छता में सहभागिता की भावना से ओतप्रोत स्वच्छ ग्राम-स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यहाँ ग्रामीणों को कचरा प्रबंधन का नया पाठ पढ़ाया गया यह संदेश घर-घर तक पहुंचाया गया कि स्वच्छता केवल झाड़ू लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि कचरे को उसकी सही जगह पहुंचाना असली जिम्मेदारी है। ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे घरों में ही गीला, सूखा, सेनेटरी और



हानिकारक कचरा अलग-अलग रखेंगे, ताकि स्व-सहायता समूह की दीर्घियां और सफाई मित्र प्रतिदिन डोर-टू-डोर संग्रहण कर उसे सुरक्षित तरीके से पंचायत शेड तक पहुंचा सकें।

उधर, जनपद पंचायत बस्तर के उसरी और बालेगा गांवों में जनभागीदारी का अद्भुत दृश्य दिखा। ग्राम पंचायत उसरी के

हाट-बाजार, जहां रोजमर्रा की भारी चहल-पहल रहती है, और आस्था के केंद्र देवालियों में ग्रामीणों ने एकजुट होकर व्यापक श्रमदान किया और देखते ही देखते समूचे परिसर को चमका दिया। वहीं, ग्राम पंचायत बालेगा में ग्रामीणों ने गांव की जीवनरेखा माने जाने वाले बड़ेपारा तालाब के संरक्षण का बीड़ा उठाया। आस्था के

स्थलों से लेकर तालाब के घाटों तक, लोगों ने खुद आगे आकर कचरे और झाड़ियों को साफ किया। सामूहिक प्रयासों की यह खूबसूरत तस्वीर इस बात का जीवंत प्रमाण बन गई कि जब पूरा गांव एक सूत्र में बंधकर खन ले, तो स्वच्छता महज एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि जीवन जीने का गौरवशाली तरीका बन जाती है।

चंपारण्य का होगा कायाकल्प : 73.42 करोड़ के ‘श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स’ को केंद्र की हरी झंडी



रायपुर (जनता के गोठ)। छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर चंपारण्य को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक नई और भव्य पहचान मिलने जा रही है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (एस्स्स्) ने रायपुर जिले के चंपारण्य में 73.42 करोड़ की लागत से बनने वाले «श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य स्टैच्यू कॉम्प्लेक्स» को अपनी अंतिम मंजूरी दे दी है।

'स्वदेश दर्शन 2.0' योजना के तहत स्वीकृत इस महत्वाकांक्षी परियोजना का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा किया जाएगा। इस परियोजना को पूर्ण करने के लिए 18 महीने की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

15 एकड़ क्षेत्र में विकसित होंगी आधुनिक सुविधाएं- वैष्णव पंथ के संस्थापक महाप्रभु श्री वल्लभाचार्य जी की जन्मस्थली चंपारण्य को अब केवल तीर्थ यात्रा तक सीमित न रखकर आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और वेलनेस पर्यटन के एक समग्र केंद्र के रूप में ढाला जाएगा। लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में निम्नलिखित प्रमुख सुविधाएं विकसित की जाएंगी:-

- सांस्कृतिक व शैक्षणिक केंद्र: म्यूजियम एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर, कथा ग्राउंड और ओपन एयर थिएटर।
- अध्यात्म एवं वेलनेस: के प्रति आभार व्यक्त किया।

बकावंड जनता के गोठ। बस्तर विकासखंड के चपका (रामपुर) आश्रम में सीताराम मानस संगठन छत्तीसगढ़ का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर के नवनि्युक्त पदाधिकारियों ने अपने पद के प्रति निष्ठा, जिम्मेदारी और संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करने की शपथ ली।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि कार्यकारिणी अध्यक्ष लोकेश गायकवाड़, उपाध्यक्ष आरती गुप्ता एवं महामंत्री जितेन्द्र सिन्हा उपस्थित रहे। बस्तर जिला अध्यक्ष शकुंतला कश्यप, उपाध्यक्ष किरण सेन, कार्यकारिणी अध्यक्ष पूर्णिमा गुप्ता एवं भागवती नेताम ने भी शपथ ली।

इसी क्रम में तोकापाल ब्लॉक अध्यक्ष पदमनी कश्यप, जगदलपुर ब्लॉक अध्यक्ष अलका सेगर, उपाध्यक्ष मुनिया सिंह, बस्तर ब्लॉक अध्यक्ष देवराज यादव, बास्तागार ब्लॉक अध्यक्ष गजेन्द्र कोराम, लोहंडीगुड़ा ब्लॉक अध्यक्ष पूरन यादव एवं बकावंड ब्लॉक अध्यक्ष हलधर कश्यप सहित अन्य पदाधिकारियों ने अपने-अपने पद की



जिम्मेदारी संचालते हुए शपथ ली। प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक गुप्ता ने कहा कि संगठन का उद्देश्य मानस के आध्यात्मिक एवं नैतिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाना, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण करना तथा समाज में सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और संस्कारों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि संगठन मानस मंडलियों को जोड़ने के साथ युवाओं को धार्मिक

एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़कर सेवा और सद्भाव की भावना को बढ़ावा देगा। समारोह में रामपुर आश्रम चपका के संरक्षक बाबा शंकर दास महाराज एवं श्री राजकुमार गुप्ता की विशेष उपस्थिति रही। नवनि्युक्त पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया

भाटागांव सब्जी मंडी विवाद : व्यापारियों के निष्कासन और लॉटरी में धांधली के खिलाफ निगम मुख्यालय में धरना

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी के नेतृत्व में व्यापारियों ने घेरा निगम; आयुक्त ने दिए 7 दिनों के भीतर जांच और दस्तावेज प्रस्तुत करने के आदेश

तरुण बच्छोर- जनता के गोठ रायपुर। नगर निगम रायपुर द्वारा भाटागांव सब्जी बाजार के परंपरागत व्यापारियों को बलपूर्वक बेदखल करने के विरोध में आज पीड़ित व्यापारियों ने नगर निगम मुख्यालय में सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का नेतृत्व रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने किया। प्रदर्शन में पूर्व पार्षद सतनाम पनाग और छाया पार्षद ब्रह्मा सोनकर सहित सैकड़ों सब्जी व्यापारी एवं उनके परिजन शामिल रहे।

अतिक्रमणकारी नहीं, स्थानीय निवासी हैं व्यापारी: आकाश तिवारी- धरना-प्रदर्शन के दौरान नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने निगम प्रशासन की कार्रवाई को अन्यायपूर्ण और अमानवीय बताया। उन्होंने कहा कि ये व्यापारी वर्षों से, कई तो अपनी पीढ़ियों से यहां सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। नगर निगम का मूल दायित्व व्यापारियों को पुनर्वास और व्यवस्थापन देना है, न कि उन्हें बेघर और बेरोजगार करना।

नेता प्रतिपक्ष ने निगम प्रशासन पर दागे 4 गंभीर सवाल:- गुपचुप आवंटन: भाटागांव सब्जी बाजार के चबूतरों (सफेदा) लगाकर नाम कयों बदले गए? क्या यह भ्रष्टाचार नहीं है?

- असमान आवंटन: चबूतरों के



प्रक्रिया में वर्षों से कार्यरत सभी पात्र व्यापारियों को शामिल कयों नहीं किया गया?

- दस्तावेजों में हेरफेर: जिन लोगों को चबूतरा आवंटित किया गया है, उनकी सूची में व्हाइटनर (सफेदा) लगाकर नाम कयों बदले गए? क्या यह भ्रष्टाचार नहीं है?

- असमान आवंटन: चबूतरों के

के आवंटन में भारी अनियमितता

किस आधार पर की गई?

निगम आयुक्त ने दिया 7

दिनों का आश्वासन प्रदर्शन के उपरांत नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम आयुक्त समित मिश्रा से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। आयुक्त ने आश्चस्त किया कि अगले 7 दिनों के भीतर लॉटरी

आवंटन के सभी दस्तावेज और पूरी



वीडियोग्राफी नेता प्रतिपक्ष के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही, वे स्वयं स्थल का निरीक्षण करेंगे। आकाश तिवारी ने पीड़ित व्यापारियों के आश्चस्त किया कि जब तक प्रत्येक व्यापारी को उसका हक और न्याय नहीं मिल जाता, तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

प्रदर्शन में ये रहे मौजूद:- प्रदर्शन के दौरान टीकम सोनकर,

मनोज सोनकर (वार्ड अध्यक्ष), विकास लंगोट (मंडल अध्यक्ष), जय सोनकर, ओमकार सोनकर, संतोष सोनकर, रूपेश सोनकर, कारण सोनकर, श्रीमती गुंजा सोनकर, श्रीमती अंजू सोनकर, श्रीमती रामदुलारी, भागवत सोनकर, छत्रु सोनकर, गौरव राजा सोनकर सहित बड़ी संख्या में सब्जी व्यापारी उपस्थित थे।